विकार के जिल्ला	विता के कि तियात विकास के कि त	१३६ २० निम संग्राह्म	भगवरी नरन मध्यम् १३६ ३० निर्म दानकी । पित्रा पुरनी मान नहायम् १३६ ३० कि विकाशः १२	२ कालीपर जहापप्त तेज्य २५ 30 फुल्माला दोन्छ । गंबादन नहापप्त भिता ३० स्तरायकेला १	, a	खतियान का सिलस्तिवार न	परधूनन आर जात रहेसरा नम्बर पारही	आना देस ्र अन्तर्भा पक्षी अन्तर्भी का नाम प्रत्यित	नीया डाइट्टर्साही पहल प्राना	आर्पीक्षल पहिला प्रशिक्ष प्रशिक्ष प्रशिक्ष प्रतिनिधि तैयार थी करने की निश्चित आरीख	प्राथित के कि अपने अपने वर्षा वर्षा के अपने अपने अपने अपने अपने अपने अपने अपन
मालिक का नाम यो न दर्शनेयानी हकारार क लाम केला नगरी निवत शर्त काल रहाकेय्यान मोताकिक १ लगान २ सेस		966.0.32.0	ò	25			. 65	ग्रह्मा	9	न सिंग में 0	
					,			लगान बेला नगदी निरवत शर्त कब्ज	दरनियानी हकधार क	मालिक का नाम यो न	



	- L	13	10	9.5	23	R3	49	51118 S. 1118 S. 118 S	ب	्रातालाव काराय अर्थातालय का आवर्तन की सारीय अर्थातित संख्या पूर्वित की सारीय करने की सिक्वत तारीय कर
	25.	13.50	5.65 5.05 8.3	25 25	20 es	R.S.	ea ea b	500	-,1	आयेक्षित स्टाम्य शार कोतियो दने की सामेख 86. 9-15
			30 FAST	36 . 775	३. जिस्			in the second	×	सार तार्राव्ह जवकि देने के तिए प्रतिविधि तैयार थे।
	5	 8,	Salar Care	Sinc Sinc		1233 11934	PAR L		£	आयर को प्रतिक्रिये देने की तारीख
	4.		20000	2080098 49 16 the	316.030.01244	0,		1 650		To the state of th
-	3		0.0000	200%		000	9	6		
									G	
									,	
				Rose	sh lu	a Sah				
					340					

